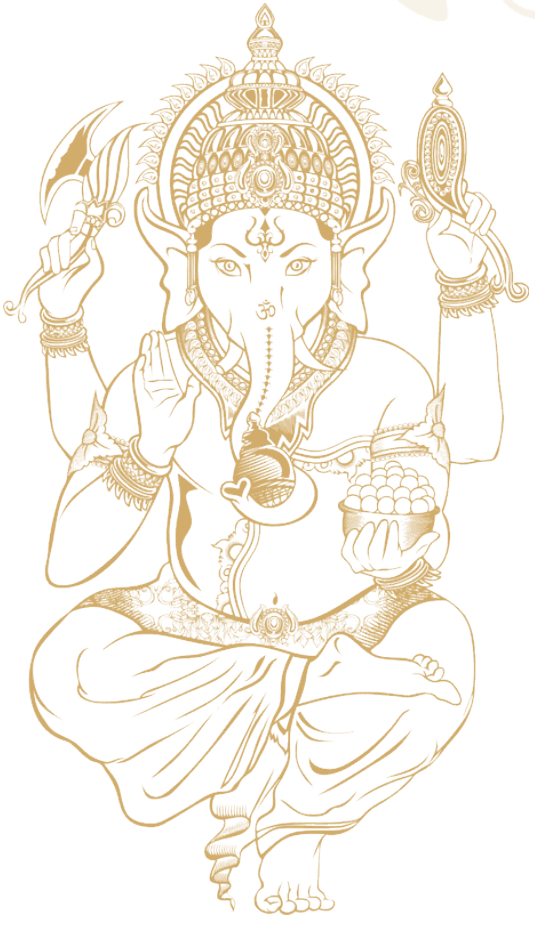

Arun kumar

18 Feb 2002

05:36 AM

Bansur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121527402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/02/2002**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:36:00 घंटे**
इष्ट	56:27:51 घटी
स्थान	**Bansur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:42:00 उत्तर
रेखांश	76:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:11:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल	15:02:30 घंटे
सूर्योदय	07:00:51 घंटे
सूर्यास्त	18:16:53 घंटे
दिनमान	11:16:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:16:18 कुम्भ
लग्न के अंश	08:41:43 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुक्ल
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	08:41:43	403:05:44	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	05:16:18	01:00:33	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	07:11:09	12:00:20	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			मीन	27:50:12	00:42:57	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध			मक	09:00:55	00:49:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	11:57:51	00:02:18	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	13:34:07	01:15:05	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			वृष	14:14:32	00:01:08	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	00:42:55	00:05:25	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	00:42:55	00:05:25	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	01:11:07	00:03:28	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	15:20:34	00:02:10	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:28:59	00:01:01	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			तुला	24:12:05	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:57

लग्न-चलित

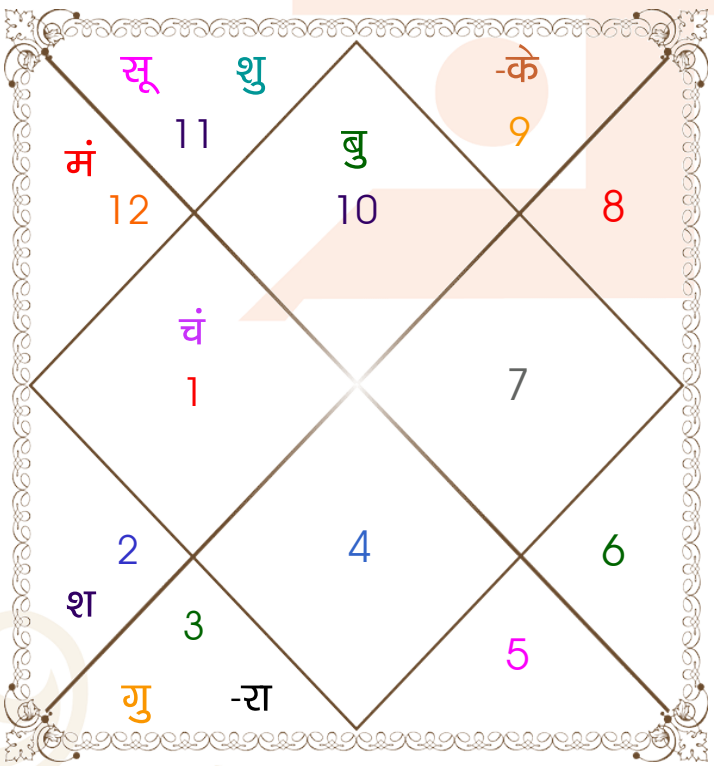

चन्द्र कुंडली

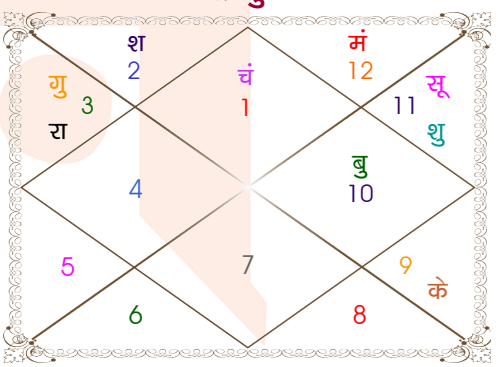

नवमांश कुंडली

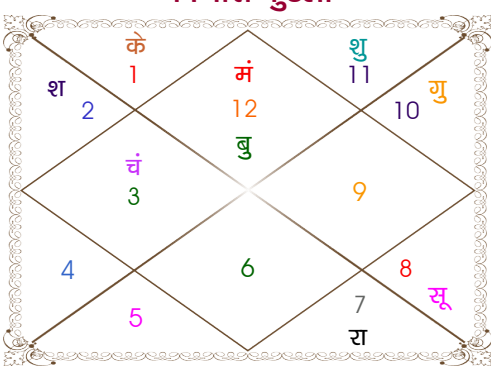

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 2 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/02/2002		12/05/2005		12/05/2025		12/05/2031		12/05/2041	
12/05/2005		12/05/2025		12/05/2031		12/05/2041		11/05/2048	
	00/00/0000	शुक्र	10/09/2008	सूर्य	29/08/2025	चंद्र	11/03/2032	मंगल	08/10/2041
	00/00/0000	सूर्य	10/09/2009	चंद्र	28/02/2026	मंगल	11/10/2032	राहु	26/10/2042
	00/00/0000	चंद्र	12/05/2011	मंगल	06/07/2026	राहु	11/04/2034	गुरु	02/10/2043
	00/00/0000	मंगल	11/07/2012	राहु	30/05/2027	गुरु	11/08/2035	शनि	10/11/2044
	18/02/2002	राहु	12/07/2015	गुरु	18/03/2028	शनि	12/03/2037	बुध	07/11/2045
राहु	30/04/2002	गुरु	12/03/2018	शनि	28/02/2029	बुध	11/08/2038	केतु	05/04/2046
गुरु	06/04/2003	शनि	12/05/2021	बुध	04/01/2030	केतु	12/03/2039	शुक्र	05/06/2047
शनि	14/05/2004	बुध	11/03/2024	केतु	12/05/2030	शुक्र	10/11/2040	सूर्य	11/10/2047
बुध	12/05/2005	केतु	12/05/2025	शुक्र	12/05/2031	सूर्य	12/05/2041	चंद्र	11/05/2048

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/05/2048		12/05/2066		12/05/2082		13/05/2101		13/05/2118	
12/05/2066		12/05/2082		13/05/2101		13/05/2118		00/00/0000	
राहु	23/01/2051	गुरु	29/06/2068	शनि	15/05/2085	बुध	09/10/2103	केतु	09/10/2118
गुरु	17/06/2053	शनि	10/01/2071	बुध	23/01/2088	केतु	05/10/2104	शुक्र	09/12/2119
शनि	23/04/2056	बुध	17/04/2073	केतु	03/03/2089	शुक्र	06/08/2107	सूर्य	15/04/2120
बुध	10/11/2058	केतु	24/03/2074	शुक्र	02/05/2092	सूर्य	12/06/2108	चंद्र	14/11/2120
केतु	29/11/2059	शुक्र	22/11/2076	सूर्य	14/04/2093	चंद्र	11/11/2109	मंगल	12/04/2121
शुक्र	29/11/2062	सूर्य	10/09/2077	चंद्र	13/11/2094	मंगल	08/11/2110	राहु	19/02/2122
सूर्य	23/10/2063	चंद्र	10/01/2079	मंगल	23/12/2095	राहु	28/05/2113		00/00/0000
चंद्र	23/04/2065	मंगल	17/12/2079	राहु	29/10/2098	गुरु	03/09/2115		00/00/0000
मंगल	12/05/2066	राहु	12/05/2082	गुरु	13/05/2101	शनि	13/05/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 2 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मकर लग्न में मीन राशि के नवमांश एवं मकर राशि के द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति यह निर्दिष्ट कर रहा है कि आपका जीवन सौभाग्यशाली रहेगा। आपकी अभिलाषा के अनुकूल आपकी अच्छी बहुमत रहेगी। जो अनेक रिक्तियों की पूर्ति करेगा तथा भरपूर धनोपार्जन के लिए समर्थ होंगे। आप एक उत्साही व्यक्ति हैं। यह प्रदर्शित होता है, तथा आपकी अभिरूचि दर्शन शास्त्र अध्ययन की रहेगी। आप एक धार्मिक व्यक्ति हैं। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण करेंगे। आपकी आत्मा उदार है तथा आप स्वयं सेवी दान सेवी संस्था को दान प्रदान करेंगे।

आप एक ऐसा व्यक्ति हैं जो समाज में एक स्तम्भ की भांति विचारणीय है। आप मेधावी एवं बुद्धिमान हैं। आप किसी भी व्यक्ति को प्रभावित कर उसे मर्यादित एवं मानवता के गुणों से युक्त करेंगे। इस प्रकार अनेक व्यक्ति आपके निर्देशन हेतु पहुंचेगे तथा आप उनको संतुष्टि प्रदान करेंगे।

आप एक अधिकार प्राप्त करेंगे एवं धनी व्यक्तियों की दृष्टि में आदरणीय होंगे। वे सभी आपकी सहायता के लिए प्रवृत होंगे तथा आप उन लोगों से काफी संपत्ति उपार्जित करेंगे। आप एक मितव्ययी प्राणी होंगे तथा आर्थिक मामले में पूर्ण सतर्क रहेंगे। आप अपने धन को अच्छे कार्यो में व्यय करेंगे तथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के सुखदायक वातावरण का सृजन करेंगे। आपके उत्तम संतान होंगे। इस संबंध में आप भाग्यशाली हैं। वे अपने परिवार के नाम और प्रसिद्धि को बरकरार रखेंगे।

आपके लिए एक महत्वपूर्ण विषय पर विचार करना आवश्यक है कि आपके द्वारा लापरवाही करना निराशाजनक प्रवृति का द्योतक है। अपने कार्य व्यवसाय को संपादन करने में रूकावट करना ठीक नहीं हैं। आप किसी कार्य के विपरीत संकेत पाकर आपका हृदय टूट जाता है। आप धैर्यपूर्वक दोनों हाथों से कार्य व्यवसाय के संबंध में समुचित राह अपनाएं एवं हर दशा में कार्य में सफलता प्राप्त करें। अन्यथा आप रोगों को आमंत्रित करेंगे। यथा दुर्बलता एवं वायु एवं उदर रोग से आक्रांत हो जाएंगे। आप अन्य रोगादि के प्रतिकूल सतर्कता बरते तथा अपने पाचन क्रिया से संबंधित रोगों के प्रति भी सुरक्षात्मक कदम उठाएं।

अतएव आपको निर्दिष्ट किया जाता है कि छोटे-छोटे दैहिक रोगादि से क्षति ग्रस्त होने की आशंका है, अतः अकस्मात् छलांग लगाना अथवा ऊंचाई से गिर जाना आदि। ये सभी रोगादि को सुनिश्चिता नहीं है परंतु आपको प्रभावित कर सकता है। परंतु आपको इन रोगादि की संभावनाओं के प्रति विचार करना चाहिए तथा पहले से ही अपने स्वास्थ्य का संरक्षण करना सामान्यतया अच्छा होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली एवं अनुकूल दिन शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार का दिन है। परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल चिंताकारक एवं व्ययकारक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 6, 9 एवं 8 अंक हैं। अंक 3 आपके लिए परेशानी वाला है। अतः इस अंक का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। कृपया पीला एवं क्रीम रंग का परित्याग करें।